कला एवं विज्ञान
महाविद्यालय,शिवाजीनगर गढी

विषय -कबीर के विचारों की प्रासंगिकता

कक्षा-बीए तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी पेपर-IX. हिंदी साहित्य का इतिहास

मार्गदर्शक
प्रा. हिरा पोटकुले
हिंदी विभाग

विषय -कबीर के विचारों की प्रासंगिकता

प्रस्तावना -

१.मन की स्वच्छता-

कबीर काया रंजन क्या करैं, कपड धोईम धोई ।
डजल हूवा न छूटिए,सुख नींदडी न होई।।

२. माया से दूर रहने का संदेश-

कबीर इस संसार का, झूठा माया मोह। जिहि
घरी जिता बधावणां, तिही घर तिता अंदोह।।

३. कलियुगी स्वामी संन्यासी पर व्यंग-

कलि का स्वामी लोभिया, मनसा धरी बधाइ।
देहि पईसा ब्याज कों, लेखा करता जाइ।।

४. नर-नारी विषयक जीवन दृष्टि-

नर-नारी सब नरक है,जब लग देह सकाम।
कहै कबीर ते राम के जे सुमिरे निहकाम।।

५. कथनी और करणी मे समानता-

कबीर जैसी मुख तैं निकसै, तैसी चाले नाहीं।

मनिष नहीं स्वांन गति, बंध्या जमपुरि जाहिं।।

६.उपसंहार

धन्यवाद!